DAL–04

December – Examination 2022

Diploma in Apabhransha Language Examination

पाण्डुलिपि विज्ञान एवं अपभ्रंश पाण्डुलिपियाँ

Paper : DAL–04

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **10×2=20**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) पाण्डुलिपि किसे कहते हैं ?

   (ii) लेखक के किन्हीं दो गुणों के नाम लिखिए।

(iii) पाण्डुलिपि प्राप्ति के किन्हीं दो क्षेत्रों को बताइये।

(iv) पतित पाठ विभाग का संशोधन संकेत चिह्न क्या है ?

(v) वेष्ठन किसे कहते हैं ?

(vi) वर्तनी च्युत शब्द से क्या आशय है ?

(vii) 'तस्सेव' का सन्धि विच्छेद कीजिए।

(viii) वाच्य के प्रमुख भेद लिखिए।

(ix) 'णेमिचंदम्मि' का शुद्ध पाठ लिखिए।

(x) पत्र संख्या प्रणाली किसे कहते हैं ?

खण्ड—ब **4×10=40**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

2. लिप्यासन के आधार पर पाण्डुलिपि के प्रकारों का वर्णन कीजिए।

3. पाण्डुलिपि विज्ञान का अन्य विज्ञानों के साथ सम्बन्ध पर एक निबन्ध लिखिए।

4. पाण्डुलिपि खोज के द्विविध स्तरों का वर्णन कीजिए।

5. संकेत प्रणाली को स्पष्ट कीजिए।

6. राजकीय पाण्डुलिपि को स्पष्ट कीजिए।

7. बिम्ब अंकन को संक्षेप में समझाइये।

8. बाबा दुलीचन्द पाण्डुलिपि भण्डार का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

9. पाण्डुलिपि संरक्षण केन्द्र (एम.सी.सी.) को संक्षेप में समझाइये।

खण्ड—स **2×20=40**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

10. लेखन शैली की परम्पराओं का वर्णन कीजिए।

11. लक्ष्मण भाई हीरालाल भोजक की लेखन प्रणाली का वर्णन कीजिए।

12. भारतीय लिपि को कितने रूपों में विभक्त किया गया है ? ब्राह्मी लिपि का वर्णन कीजिए।

13. लेखन शैली के आधार पर पाण्डुलिपि के विविध प्रकारों का वर्णन कीजिए।